

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उ०प्र०  
Allahabad State University, Allahabad, U.P.

पत्रांक: इ०रा०वि०वि० / कु०स०का० / 229 / 2016,

दिनांक 28 दिसम्बर, 2016

सेवा में,

समस्त संयोजक,  
पाठ्यक्रम समिति,  
इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय,  
इलाहाबाद।

विषय: विश्वविद्यालय की आगामी सेमेस्टर एवं वार्षिक परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों का निर्माण एवं स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला दिनांक 13.11.2016 की कार्यवाही।

महोदय / महोदया,

कृपया उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में सेमेस्टर एवं वार्षिक परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों का निर्माण एवं स्वरूप विषय पर आयोजित कार्यशाला दिनांक 13.11.2016 की कार्यवाही की प्रति इस आशय से प्रेषित है कि समस्त सम्बन्धित को अपने स्तर से अवगत कराते हुए अग्रतर कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

संलग्नक- यथोक्त।

(संजय कुमार)  
कुलसचिव

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. उपकुलसचिव, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय इलाहाबाद को इस आशय से कि कार्यवाही की प्रति विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों की कॉलेज लॉगिन पर अपलोड कराये।
2. निजी सचिव कुलपति को कुलपति जी के सूचनार्थ।
3. विश्वविद्यालय के सूचना बोर्ड हेतु।

कुलसचिव

# इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उ०प्र०

## कार्यवाही

दिनांक 13.11.2016 को पूर्वान्ह 11.00 बजे विश्वविद्यालय स्थित प्रेक्षागृह में "विश्वविद्यालय की आगामी सेमेस्टर एवं वार्षिक परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों का निर्माण एवं स्वरूप" विषय पर आयोजित कार्यशाला की कार्यवाही।

कार्यशाला में निम्नवत् सदस्यगण उपस्थित रहे—

1	प्रो० राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति	इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
2	डॉ० रजनी त्रिपाठी	प्रयाग महिला विद्यापीठ डिग्री कालेज, इलाहाबाद
3	डॉ० शीला रानी यादव	महिला सेवा सदन डिग्री कालेज, इलाहाबाद
4	डॉ० पार्वती सिंह	महिला सेवा सदन डिग्री कालेज, इलाहाबाद
5	डॉ० इच्छा नाथर	महिला सेवा सदन डिग्री कालेज, इलाहाबाद
6	डॉ० अरविन्द मिश्र	एम०डी०पी०जी० कालेज, प्रतापगढ़
7	डॉ० कृष्ण प्रताप सिंह	रनातकोत्तर महाविद्यालय, पट्टी, प्रतापगढ़
8	डॉ० विनोद शुक्ल	एम०डी०पी०जी० कालेज, प्रतापगढ़
9	डॉ० यू० के० सिंह	पी०बी०पी०जी० कालेज, प्रतापगढ़
10	डॉ० ए० पी० सिंह	बजरंग पी०जी० कालेज, कुण्डा, प्रतापगढ़
11	डॉ० राजीव मालवीय	एम०डी०पी०जी० कालेज, प्रतापगढ़
12	राकेश कुमार सिंह	बजरंग महाविद्यालय, कुण्डा, प्रतापगढ़
13	यमुना पाल सिंह	बजरंग महाविद्यालय, कुण्डा, प्रतापगढ़
14	डॉ० श्रीप्रकाश	के०ए०पी०जी० कालेज, इलाहाबाद
15	डॉ० अजय कुमार राय	के०ए०पी०जी० कालेज, इलाहाबाद
16	डॉ० मो० खालिद मसरूर	भावंस मेहता महाविद्यालय, भरवारी
17	डॉ० अरून कुमार श्रीवास्तव	एम०डी०पी०जी० कालेज, प्रतापगढ़
18	डॉ० निशा सिंह	एम०डी०पी०जी० कालेज, प्रतापगढ़
19	डॉ० उमा जायसवाल	भावंस मेहता महाविद्यालय, भरवारी
20	श्रीमती रश्मी सिंह	पी०बी०पी०जी० कालेज, प्रतापगढ़ सिटी
21	डॉ० अजीता भट्टाचार्या	लाला लक्ष्मी नारायण डिग्री कालेज, इला०
22	डॉ० एस०बी० गुप्ता	एम०एम०पी०जी० कालेज, कालाकांकर, प्रता०
23	डॉ० अशोक कुमार	कुलभास्कर आश्रम पी०जी० कालेज, इला०
24	डॉ० राजेन्द्र प्रसाद	कुलभास्कर आश्रम पी०जी० कालेज, इला०
25	राजेन्द्र प्रताप सिंह	कुलभास्कर आश्रम पी०जी० कालेज, इला०
26	डॉ० सी०एस० चौबे	के०ए०पी०जी० कालेज, इलाहाबाद
27	डॉ० रनन्जय सिंह	के०ए०पी०जी० कालेज, इलाहाबाद
28	डॉ० रेखा सिंह	एम०एम०पी०जी० कालेज, कालाकांकर, प्रता०
29	डॉ० सलीमुद्दीन	के०ए०पी०जी० कालेज, इलाहाबाद
30	डॉ० अखिलेश त्रिपाठी	के०ए०पी०जी० कालेज, इलाहाबाद
31	डॉ० राम लखन पाल	के०ए०पी०जी० कालेज, इलाहाबाद
32	डॉ० शिव प्रसाद विश्वकर्मा	के०ए०पी०जी० कालेज, इलाहाबाद
33	डॉ० विरेन्द्र नाथ पाण्डेय	के०ए०पी०जी० कालेज, इलाहाबाद

34	डॉ० विपिन कुमार	के०ए०पी०जी० कालेज, इलाहाबाद
35	डॉ० ए०सी० सिंह	के०ए०पी०जी० कालेज, इलाहाबाद
36	डॉ० सूर्यभान सिंह	एम०एम०पी०जी० कालेज, कालाकांकर, प्रतापगढ़
37	डॉ० रूबी चौधरी	भावंस मेहता महाविद्यालय, भरवारी
38	डॉ० कविता श्रीवास्तव	के०ए०पी०जी० कालेज, इलाहाबाद
39	डॉ० अर्चना सिंह	के०ए०पी०जी० कालेज, इलाहाबाद
40	डॉ० अमिता श्रीवास्तव	के०ए०पी०जी० कालेज, इलाहाबाद
41	डॉ० पी०के०	के०ए०पी०जी० कालेज, इलाहाबाद
42	डॉ० रवी प्रसाद श्रीवास्तव	के०ए०पी०जी० कालेज, इलाहाबाद
43	डॉ० ज्योति शंकर	के०ए०पी०जी० कालेज, इलाहाबाद
44	दीप्ति शुक्ला	पी०एम०वी० डिग्री कालेज, इलाहाबाद
45	डॉ० जूही शुक्ला	पी०एम०वी० डिग्री कालेज, इलाहाबाद
46	डॉ० रजवन्त सिंह	एम०डी०पी०जी० कालेज, प्रतापगढ़
47	डॉ० महेन्द्र कुमार जायसवाल	एल०एल०एन०डी०सी०, इलाहाबाद
48	डॉ० राज देव सिंह भदौरिया	बजरंग पी०जी० कालेज, कुण्डा, प्रतापगढ़
49	अमिता सिन्हा	एम०डी०पी०जी० कालेज, प्रतापगढ़
50	प्रो० जे०एन० मिश्र	विशेष आमंत्रित।
51	श्री संजय कुमार	कुलसचिव
52	श्रीमती दीप्ति मिश्रा	उपकुलसचिव

कार्यशाला के आरम्भ में सर्वप्रथम कुलसचिव द्वारा समस्त आमंत्रित विद्वतजनों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में अवगत कराया। इसके पश्चात् माननीय कुलपति महोदय ने पाठ्यक्रम, प्रश्न-पत्रों के निर्माण एवं परीक्षा की शुचिता पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए विश्वविद्यालय के समस्त विषयों/पाठ्यक्रमों की गठित पाठ्यक्रम समिति (Board of Studies) के आन्तरिक सदस्यों के समक्ष कार्यशाला के आयोजन के उद्देश्य को विस्तृत रूप से रेखांकित किया। कुलपति महोदय ने पाठ्यक्रम समिति के समस्त सदस्यों से विश्वविद्यालय की आगामी सेमेस्टर एवं वार्षिक परीक्षाओं के ससमय एवं शुचितापूर्ण सम्पन्न कराने हेतु उनके भरपूर सहयोग की अपेक्षा की तथा परीक्षा से सम्बन्धित बिन्दुओं पर चर्चा की।

प्रश्न-पत्रों के स्वरूप के सम्बन्ध में प्रो० जे०एन० मिश्र (से०नि०) ने पावर प्वाइण्ट प्रजेण्टेशन के माध्यम से वस्तुनिष्ठ (Objective) एवं विस्तृत (Descriptive) दोनों प्रकार के प्रश्न-पत्रों के प्रारूप को प्रस्तुत किया। प्रस्तुत किए गए प्रारूप पर समस्त पाठ्यक्रम समितियों के उपस्थित संयोजक एवं अन्य आन्तरिक सदस्यों से उनके सुझाव मांगे गए।

डॉ० ए०सी० सिंह, कुलभाष्कर आश्रम डिग्री कालेज ने सुझाव दिया कि वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न-पत्रों में समय सीमा कम की जाए जिससे कि नकल की संभावना पर रोक लगाई जा सके।

डॉ० अजीता भट्टाचार्या, अंग्रेजी, एल०एल०एन० डिग्री कालेज, सिरसा, इलाहाबाद ने यह मत दिया कि साहित्य के प्रश्न-पत्रों में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न-पत्र न रखे जाएं।

डॉ० डी०पी० ओझा, हिन्दी ने यह मत व्यक्त किया कि साहित्य विषयों में प्रतियोगी परीक्षाओं में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न-पत्र होते हैं, अतः छात्रों को उसकी तैयारी एवं पूर्वाभ्यास के दृष्टिगत वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न-पत्र अवश्य रखे जाएं परन्तु समय सीमा कम रखने पर विचार किया जा सकता है।

डॉ० अयोध्या नाथ त्रिपाठी, प्राचीन इतिहास, एम०डी०पी०जी० कालेज, प्रतापगढ़ द्वारा इस बात पर बल दिया गया है कि विश्वविद्यालय के प्रथम वर्ष की परीक्षाएं होनी हैं, अतः बहुत प्रकार के प्रयोग न किए जाएं।

डॉ० राज कुमार पाण्डेय, सैन्य विज्ञान द्वारा यह कहा गया कि वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न-पत्रों में नकल होने की संभावना अधिक होती है, इसलिए ऐसे प्रश्न-पत्र न रखे जाएं।

डॉ० अशोक कुमार, संयोजक गणित द्वारा यह कहा गया कि लघु उत्तरीय प्रश्न अधिक होने चाहिए जिससे कि सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का समावेश किया जा सके एवं डॉ० राजीव कुमार सिंह द्वारा यह कहा गया कि गणित विषय में विस्तृत (Descriptive) प्रश्न-पत्रों में शब्द सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।

डॉ० पचौरी, शारीरिक शिक्षा द्वारा कहा गया कि उनके विषय में वस्तुनिष्ठ प्रश्न-पत्र नहीं होते हैं, इसलिए कोई समस्या नहीं है।

डॉ० रेखा सिंह, संयोजक बी०ए० द्वारा यह कहा गया कि Proficiency English का प्रश्न-पत्र हिन्दी माध्यम के छात्र नहीं कर पाते हैं, जो कि अनिवार्य होता है, उन्होंने यह भी कहा कि समस्त प्रकार के प्रश्न-पत्रों का मॉडल यथाशीघ्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया जाए।

डॉ० ज्योति शंकर, संयोजक कृषि संकाय ने इस बात पर बल दिया कि अंकों में एकरूपता होनी चाहिए तथा वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न-पत्रों में समयवधि कम की जा सकती है। प्रश्न-पत्रों को बाह्य प्राश्निकों से बनवाने पर कभी-कभी पाठ्यक्रम के बाहर के प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रायोगिक विषयों के एवार्ड्स ऑनलाइन जमा कराने पर विचार किया जा सकता है।

डॉ० आर०डी० सिंह, भूगोल, बजरंग पी०जी० कालेज, प्रतापगढ़ ने कहा कि विस्तृत (Descriptive) प्रश्न-पत्रों में शब्द सीमा को हटाया जाए तथा प्रायोगिक परीक्षाओं में बाहर के परीक्षक अधिकाधिक संख्या में रखे जाएं।

डॉ० विपिन, के०ए०डी०ए०, इलाहाबाद ने यह कहा कि विस्तृत (Descriptive) प्रकार के प्रश्न-पत्रों को शब्द सीमा में न बांधा जाए तथा मूल्यांकन में परीक्षकों द्वारा औसत मूल्यांकन न किए जाने के लिए प्रधान परीक्षक अवश्य नियुक्त किया जाए। वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न पत्रों में नकल की गुंजाइश रहती है, इसलिए वस्तुनिष्ठ प्रश्न-पत्रों के सम्बन्ध में पुनः विचार कर लिया जाए।

डॉ० रजनी त्रिपाठी, प्रयाग महिला विद्या पीठ, इलाहाबाद द्वारा यह कहा गया कि विश्वविद्यालय द्वारा तैयार किए गए प्रश्नपत्रों का स्वरूप श्रेष्ठ है तथा बहुत बदलाव न किया जाए।

डॉ० सूर्यभान सिंह, संयोजक वाणिज्य द्वारा इस बात पर विशेष बल दिया गया कि प्रश्न-पत्रों के मॉडल उत्तर भी परीक्षकों को अवश्य दिए जाएं।

